वर्डस ऑफ पंकज [Words Of Pankaj]

अगस्त 2024 में, मैं अमरूद तोड़ने अपने बगीचे में जा रहा था। तभी मुझे दिखा, एक महिला हमारे बगीचे में लकड़ियां समेट रही थी। थोड़ी सी बात हुई और मैं पेड़ पर चढ़ गया। 15 से 20 मीनट बाद, वह वहां से चली गयी। मैं पेड़ पर अमरूद तोड़ रहा था और इक्ट्ठा कर रहा था। पेड़ की उंचाई पर कुछ लाल चिटियां, मेरे टी-शर्ट पर चिपक गयी। मैंने टी-शर्ट निकालकर हाथ में रख लिया और अमरुदों को पोलीथीन में भरकर, पेड़ से नीचे उतरा और घर की ओर निकल पड़ा। पड़ोसियों ने मुझे अर्धनग्न देखकर, बातें फैलाई। मैं अपने बेवकूफियों और अपने कारनामों से, गांव में कई बार चर्चा में रहा। वर्ष 2024 में, खराब जीवनशैली और गलत खान-पान की वजह से, पेनिस में गांठ पनप आया। जिसके कारण पेनिस का चमड़ा नीचे नहीं आया और वह अलग दिखने लगा। मैंने 200 से अधिक कहानियां पढ़ा और सुना। मुझे कहानियां पढ़ना और सुनना अच्छा लगता है। साथ ही मैंने प्रेमचंद द्वारा लिखित मानसरोवर की 6 पुस्तकें पढ़ी है। वर्ष 2024 के आखरी महीनों में, मैंने कहानियां लिखना छोड़ दिया। अब मैं कहानियां सुनता हूं। फिल्में देखता हूं। विडियोज देखता हूं। पार्क, ऐतिहासिक स्थलों और शहरों में घूमता हूं। शांत रहना, जीवों को खाना खिलाना, किसी जीव की जान बचाना, अच्छा लगता है। देर रात, जब मैं पैशाब या टॉयलेट करने, गली में जाता तो पड़ोसी गलतफहमी में, मेरे बारे में अश्लील और झूठी बातें फैलाने लगते। मैंने परिवार और आस-पड़ोस की किसी भी स्त्री के साथ संबंध नहीं बनाया। स्त्रियों को टच करने की कोशिशों और पड़ोसियों द्वारा मेरे बारे में फैलाई जा रही गलतफहमियों के कारण, गांव में मुझे अश्लील लड़के की उपाधि मिल गई। मेरे सपनों के स्थान जैसे- विक्टोरिया मेमोरियल-कोलकाता शहर, समंदर का किनारा-पूरी शहर, ताज महल-आगरा शहर, बर्फ का मैदान-शिमला शहर और थार रेगिस्तान-जैसलमेर शहर। इन स्थानों में, एक बार जाना चाहता हूं। कोशिशें जारी है। In August 2024, I went to my garden to pick guavas. Just then, I noticed a woman gathering firewood in our garden. We exchanged a few words, and then I climbed up the tree. About 15 to 20 minutes later, she left the area. I continued picking and gathering guavas while up in the tree. High up in the branches, some red ants latched onto my T-shirt. I took off my T-shirt, held it in my hand, filled a plastic bag with the guavas, climbed down from the tree, and headed toward home. Upon seeing me half-naked, the neighbors began spreading rumors. Due to my foolishness and various antics, I frequently became the subject of gossip in the village. In 2024, as a result of an unhealthy lifestyle and poor dietary habits, a lump developed on my penis. Consequently, the foreskin could not retract, and the organ began to look abnormal. I have read and listened to over 200 stories; I truly enjoy reading and listening to stories. Additionally, I have read all six volumes of *Mansarovar*, written by Premchand. During the final months of 2024, I stopped writing stories. Now, I listen to stories, watch movies, and view videos. I also enjoy wandering through parks, visiting historical sites, and exploring different cities. I find peace in maintaining a calm demeanor, feeding animals, and saving the lives of living creatures. Late at night, whenever I stepped out into the lane to urinate or use the toilet, my neighbors—misinterpreting my actions—would begin spreading obscene and false rumors about me. I never engaged in any sexual relations with any woman from my family or the neighborhood. However, due to my attempts to touch women—combined with the misunderstandings being propagated by my neighbors—I earned the dubious reputation of being a "lewd boy" within the village. My dream destinations include places such as the Victoria Memorial in Kolkata, the seashore in Puri, the Taj Mahal in Agra, the snow-covered landscapes of Shimla, and the Thar Desert in Jaisalmer. I wish to visit each of these places at least once. My efforts to make this happen are ongoing.

[अच्छे कार्यों में विश्वास रखने से, जिंदगी कितनी आनंददायक हो जाती है। How enjoyable life becomes when we believe in good deeds.]